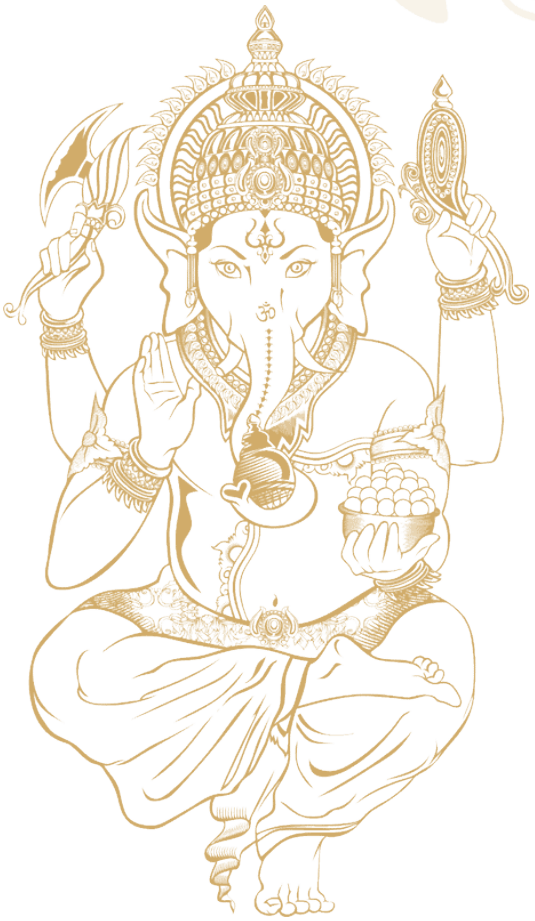

Sahil

aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121707602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1998	जन्म तिथि	21-22/01/1999
रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:30:00	जन्म समय	04:50:00 घंटे
घटी 26:05:52	जन्म समय(घटी)	53:52:18 घटी
India	देश	India
Rohtak	स्थान	Meerut
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
76:38:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:28	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:39	सूर्योदय	07:13:00
18:40:51	सूर्यास्त	17:48:03
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 0वर्ष 6मा 6दि		09:37:51	मक	लग्न	धनु	01:19:20	गुरु 2वर्ष 10मा 15दि	
शनि		19:49:09	सिंह	सूर्य	मक	07:37:51	बुध	
14/03/2015		19:36:58	कुंभ	चंद्र	मीन	00:56:12	07/12/2020	
14/03/2034		16:48:33	कर्क	मंगल	तुला	04:16:06	07/12/2037	
शनि	17/03/2018	03:33:11	सिंह	बुध	धनु	28:59:19	बुध	06/05/2023
बुध	24/11/2020	00:29:30	मीन व	गुरु	मीन	01:38:09	केतु	02/05/2024
केतु	03/01/2022	05:43:51	सिंह	शुक्र	मक	27:47:29	शुक्र	03/03/2027
शुक्र	05/03/2025	09:23:10	मेष व	शनि	मेष	03:25:34	सूर्य	07/01/2028
सूर्य	15/02/2026	07:39:23	सिंह व	राहु	कर्क	28:21:38	चन्द्र	07/06/2029
चन्द्र	16/09/2027	07:39:23	कुंभ व	केतु	मक	28:21:38	मंगल	05/06/2030
मंगल	25/10/2028	15:40:22	मक व	हर्ष	मक	18:16:29	राहु	22/12/2032
राहु	01/09/2031	05:52:18	मक व	नेप	मक	08:00:00	गुरु	30/03/2035
गुरु	14/03/2034	11:35:05	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:48	शनि	07/12/2037

लग्न-चलित

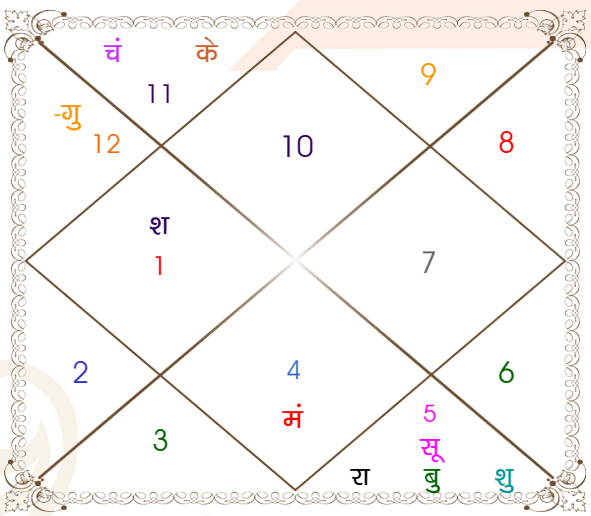

लग्न-चलित

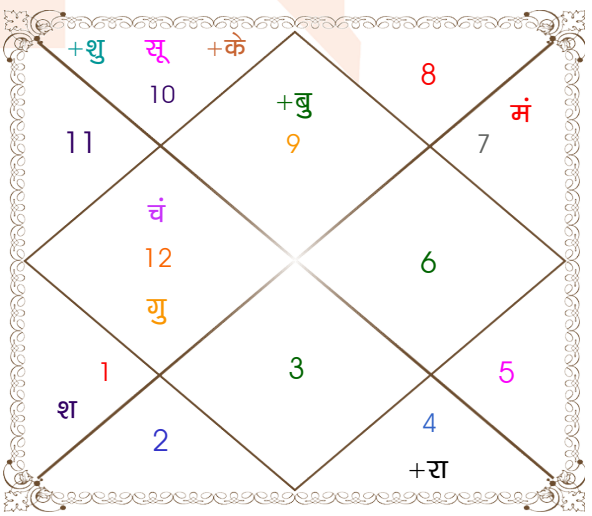

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	8.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Sahil का वर्ग मेष है तथा aayushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और aayushi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Sahil कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sahil कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Sahil कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल aayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sahil तथा aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।